Twelve
CORE Training

## प्रशिक्षक की कुंजी

# *पाठ 10-0 बच्चों को परमेश्वर के वचन का अनुभव करने में सहायता करना।*

## उद्देश्य

- शिक्षक और बच्चों, दोनों के लिए परमेश्वर के वचन का अनुभव करने में महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर विचार करना।
- बच्चों को परमेश्वर के वचन को सरलता से "समझने" के लिए व्यावहारिक विचार देने में उनकी सहायता करना, (सुनना, पढ़ना, याद करना, अध्ययन करना, मानना)।

## पाठ अवलोकन

| | |
|---|---|
| स्वागत और तैयारी | 5 मिनट |
| परमेश्वर का वचन क्यों? | 5 मिनट |
| बच्चे कैसे परमेश्वर का वचन समझ सकते हैं? | 10 मिनट |
| बाइबल की कहानी में बच्चों को शामिल करना | 20 मिनट |
| बच्चों की परमेश्वर का वचन पढ़ना सीखने में सहायता करना | 10 मिनट |
| आयतों को याद करना | 20 मिनट |
| समेटना | 5 मिनट |
| **लगभग कुल समय:** | **75 मिनट** |

**प्रतिभागियों को ज़रुरत होंगी:**

- बाइबल
- प्रतिभागी नोट्स
- लेखन सामग्रियां

**चित्रण विकल्प:**

- मिटाने योग्य बोर्ड और लेखन सामग्रियां
- बाइबल की याद करने वाली आयतों की समीक्षा गतिविधि सामग्रियां
- पानी का गिलास या बोतल

**मीडिया विकल्प:**

- इस पाठ के लिए पावर प्वाइंट स्लाइड
- समझदार और मूर्ख निर्माणकर्ताओं का वीडियो

## आरम्भ करने से पहले

- प्रार्थना करें। प्रतिभागियों के दिलों को खोलने और इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में अपने हृदय से उनसे बाँटने में आपकी सहायता करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।
- सभी सामग्रियों को इकट्ठा करें (दाहिनी ओर देखें)। आवश्यकतानुसार अदला बदली करें।
- पाठ को उन जगहों को खोजने के लिए पढ़ें जहाँ आपको व्यक्तिगत कहानी या विचार देने के लिए कहा जाएगा। पहले से ही सामर्थी उदाहरण चुनने की योजना बनाएँ।

## स्वागत और तैयारी *(5 मिनट)*

**एक खेल खेलें: पकड़ो**

(प्रतिभागियों को एक पंक्ति या घेरे में खड़े होने के लिए कहें और प्रत्येक विद्यार्थी को अपना बायां हाथ अपने बाईं ओर के विद्यार्थी की ओर खड़ा करने को कहें, हथेली को ऊपर उठाए हुए। फिर उन्हें अपनी सीधे हाथ की तर्जनी दिखाने दें और उसे रख दें, अपने दाहिने खड़े विद्यार्थी की हथेली की ओर इशारा करते हुए। जब अगुवे कहें कि "पकड़ो" तो प्रत्येक विद्यार्थी को बाईं ओर के विद्यार्थी की उंगली पकड़ने की कोशिश करनी होगी, जिसकी उंगली उसकी बाईं हथेली में है, जबकि उस विद्यार्थी की हथेली से दाहिनी उंगली खींचकर अपनी दाहिनी ओर करना है। आनंद लें!)

**वीडियो विकल्प:** "समझदार और मूर्ख निर्माणकर्ताओं का दृष्टांत"
(https://1for50share.net/media/the-wise-and-foolish-builder-video/)

हम में से किसी की, यीशु के चेलों के समान बढ़ने में सहायता करने के लिए नंबर एक- प्रेरणा और सूचना का स्रोत बाइबल हैं। यह जरूरी है कि हम सीखें कि कैसे बच्चे परमेश्वर के वचन को "पकड़े" या समझने और इसे अपने जीवन में लागू करने में उनकी सहायता करनी चाहिए। यह पाठ बच्चों की सहायता करने के लिए परमेश्वर के वचन का अनुभव करने की नींव रखेगा। **50 हाथ के लिए 1: यह पाठ "चेले बनाना" का एक हिस्सा है।**

## परमेश्वर का वचन क्यों? *(5 मिनट)*

**परमेश्वर के वचन के साथ जुड़ने से बच्चों को क्या-क्या लाभ हैं?**

(प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित करें। उन्हें एक हाथ में अपनी बाइबल को पकडने के लिए कहें। नीचे दिए गए बाइबल संदर्भों में से एक को पढ़ें, जरूरी नहीं कि क्रम में पढ़ें। फिर "गो/जाओ!" कहें, बाइबल के संदर्भ खोजने के लिए टीमें दौड़ें। सबसे पहला खोजने वाला विद्यार्थी, खड़े होकर आयतों को पढ़ें। फिर विद्यार्थी को परमेश्वर के वचन के लाभ का सारांश प्रस्तुत करे। प्रतिभागी अपने नोट्स में एक आयत के सारांश का विवरण लिख सकते हैं।)

1. भजन संहिता 1: 1-3 - परमेश्वर के वचन पर मनन करना, यह हमें मजबूती से लगे रहने में मदद करता है।
2. भजन संहिता 119:105 - परमेश्वर का वचन हमें मार्गदर्शन देता है, हमारे मार्ग को उजियाला देता है।
3. इब्रानियों 4:12 - परमेश्वर का वचन जीवित और सक्रिय है, वह हमारे जीवन को बदल सकता है।
4. भजन संहिता 119:11 - अपने मन में परमेश्वर के वचन को याद रखें या रख छोड़ें ताकि हम पाप न करें।
5. मत्ती 4:4 - जीवन के लिए परमेश्वर के वचन को खाएं।
6. लूका 6: 47-48 - हमें परमेश्वर के वचन को व्यवहार में लाना चाहिए।
7. भजन संहिता 19: 7-9 - परमेश्वर का वचन सिद्ध है, जीवन बदल सकता है।

परमेश्वर का वचन हमारे जीवन के लिए प्रभावशाली है, और यह बच्चों के जीवन में भी प्रभावशाली हो सकता है।.

आपके जीवन में परमेश्वर के वचन का कोई एक प्रभावशाली सहायता का उदाहरण बाँटें।

# बच्चे कैसे परमेश्वर का वचन समझ सकते हैं? *(10 मिनट)*

**परमेश्वर के वचन को समझने की कुंजी**

बच्चे वास्तव में, पवित्रशास्त्र का इस तरह से कैसे अनुभव कर सकते हैं कि वे न केवल यह जानते हैं कि वह क्या कहता है, लेकिन खुशी से इसको मानें भी? दि नेविगेटरस, एक शिष्यत्व सेवकाई ने नए शिष्यों को अपने जीवन में परमेश्वर के वचन की भूमिका को समझने में सहायता करने के लिए पांच गतिविधियों की पहचान की है। गतिविधियां हमारे हाथों पर पांच उंगलियों द्वारा प्रतिनिधित्व करती हैं (यह हाथ 50 हाथों के लिए 1 से अलग है।)

हम वस्तुओं को पकड़ने के लिए अपने हाथों का उपयोग करते हैं (अपनी बाइबल को पकड़कर प्रदर्शित करें।) अधिक से अधिक उंगलियों का इस्तेमाल करने से, उन पर हमारी पकड़ मजबूत होती है। ये पांच गतिविधियां बच्चों को अपने हृदय में परमेश्वर का वचन अधिक से अधिक दृढ़ता से "पकड़ने" के बारे में सिखाती हैं। (प्रत्येक बिंदु को समझाने के बाद, एक प्रतिभागी द्वारा आपके हाथ से बाइबल को खींचने का प्रयास करने को कहें।)

सुनना: (अपनी बाइबल को केवल अपने शिशु / छोटी उंगली से पकड़ें।) सबसे छोटी उंगली परमेश्वर के वचन को सुनना बताती है। बच्चों के लिए, सुनना सबसे ज्यादा होता है क्योंकि बच्चों के कार्यकर्ता और परिवार के सदस्य बाइबल की कहानियों को बांटते है या उपदेश सुनाते हैं। हमारे लिए अच्छी तरह से तैयारी करना जरूरी है, क्योंकि जो बच्चे सुनते हैं, वे जो कुछ हम कहते हैं या नहीं कहते, उसका अनुसरण करते हैं। लेकिन सिर्फ परमेश्वर के वचन को सुनने से बच्चों को परमेश्वर के वचन की मजबूत समझ प्राप्त नहीं होती है।

पढ़ना: (अपनी छोटी उंगली और इसके बगल की उंगली से अपनी बाइबल को पकड़ें।) दूसरी उंगली / अंगूठी उंगली परमेश्वर के वचन को पढ़ने का प्रतिनिधित्व करती है। कई बच्चे स्वयं से पढ़ नहीं सकते या उनके पास बाइबल नहीं होती हैं। वे अब भी लोगों पर बाइबल पढ़ने या बाइबल के लिखित संस्करणों के लिए निर्भर रहते हैं। साधारण भाषा में चित्र बाइबल या बाइबल बच्चों के लिए एक अच्छा आरम्भ हो सकती है। जो बच्चे पढ़ना जानते हैं, उन्हें प्रत्येक दिन एक आयत या एक अध्याय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है लेकिन उनमें अभी भी परमेश्वर के वचन की "समझ" सीमित हैं।

याद करना/कंठस्थ करना: (अपनी मध्य उंगली को जोड़ें और अपनी बाइबल पकड़ें।) मध्य उँगली परमेश्वर के वचन को याद करना दर्शाती है। बच्चे पवित्रशास्त्र को अधिक मात्रा में सीखने में काफी सक्षम होते हैं, क्योंकि उनके दिमाग कम उम्र से ही लगातार जानकारी ग्रहण करते जाते हैं। हालांकि, हमें उन शब्दों पर ध्यान देने में सहायता करना जारी रखना चाहिए, जो वे सीखते हैं, ताकि पवित्रशास्त्र उनके हृदय और जीवन में लागू किया जा सके। परमेश्वर के वचन की उनकी समझ मजबूत हो रही है, लेकिन वे इससे कहीं अधिक कर सकते हैं।

अध्ययन करना: (इंडेक्स/सूचक उंगली को जोड़ें और 4 उंगलियों के साथ बाइबल को पकड़ें।) सूचक उंगली परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने का प्रतिनिधित्व करती है। हालांकि बच्चे गहरा बाइबल अध्ययन करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं, इसलिए वे केवल उन चीजों के बारे में गंभीर प्रश्न पूछना सीख सकते हैं जो वे पढ़ते और सुनते हैं ताकि वे आत्मिक जानकारी में बढ़ें, न कि केवल जानकारी के संग्रह में बढ़ें।

आज्ञापालन: (सभी पांच अंगुलियों के साथ बाइबल पकड़ें।) अंगूठा हमें हाथों को पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है। अंगूठे को परमेश्वर के वचन को मानने का प्रतिनिधित्व करता है। अन्य चार गतिविधियां परमेश्वर के वचन को सही मायने में समझने के लिए "मानने" पर आश्रित हैं। परमेश्वर के वचन को वास्तव में अनुभव करने के लिए आज्ञाकारिता हमारे बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है।

(कुछ प्रश्नों के लिए तीन या चार लोगों के समूह में निम्नलिखित प्रश्नों पर कुछ मिनट तक चर्चा करें। फिर पूरे समूह के साथ कुछ जवाब बाँटें।)

- **इनमें से कौन सी पांच गतिविधियां पहले से ही आपके बच्चे कर रहे हैं?**
- **किन गतिविधियों को जानने के लिए उन्हें सहायता चाहिए?**
- **आप उन्हें कैसे मदद कर सकते हैं?**

अब हम विशिष्ट तरीकों पर ध्यान देंगे, जिससे बच्चों को परमेश्वर का वचन सुनने से आरम्भ होने वाले प्रत्येक पांच क्षेत्रों में परमेश्वर के वचन का अनुभव होगा।

## सुनना: बाइबल की कहानी में बच्चों को शामिल करना *(20 मिनट)*

**किस तरह से एक अच्छा कथावाचक बनता है?**

चूंकि बच्चे "सुनने" के अनुभव के लिए शिक्षकों पर अधिक से अधिक निर्भर होते हैं, इसलिए शिक्षकों को अच्छा कथावाचक / अच्छी कहानी सुनाने वाला बनना होगा।

(नीचे दिए गए किसी भी विचार का उपयोग न करते हुए, खराब ढंग से एक छोटी बाइबल की कहानी सुनाएँ जैसे कि यीशु ने मरकुस 4: 35- 41 में तूफान को शांत किया। इन प्रश्नों का संक्षिप्त में उत्तर दें।)

**क्या मैं एक अच्छा कथावाचक था? मैंने क्या खराब किया? मुझे अलग तरीके से क्या करना चाहिए?** उत्तर में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- आपकी कहानी को जानना
- आँखों के संपर्क का उपयोग करना
- भावनाओं के लिए चेहरे के भावों का इस्तेमाल करना
- इशारों और शरीर के हाव-भाव का उपयोग करना
- बोलने में विभिन्न स्तर, आवाज़ में भिन्नता और गति का उपयोग करना
- चुप्पी से नहीं डरना
- बुलाकर / उत्तर वाक्यांशों से या अभिनय के साथ बच्चों को शामिल करना

एक अच्छा कथाकार इन सभी कौशल का उपयोग करता है (उपरोक्त सभी कौशल का उपयोग करके, इसी समय इसे अच्छी तरह से उपयोग करते हुए, उसी बाइबल की कहानी को फिर से बताएं।)

**कहानी में बच्चों को शामिल करना**

अच्छे कथावाचक ने कहानी में उन्हें शामिल करके विद्यार्थियों की कल्पनाओं को सक्रिय किया। हम बच्चों को सीटों से हटाए बिना, कहानी में उनके शरीर और दिमागों को शामिल कर सकते हैं। यह तकनीक नाटक करने से भिन्न है, क्योंकि इसमें हर बच्चे को शामिल किया जाता है, केवल कक्षा में सामने बैठे कुछ बच्चों को ही नहीं।

शरीर के सभी हिस्सों के बारे में सोचें जो परमेश्वर ने बच्चों को दिए हैं। वे कहानी में उन हिस्सों का कैसे उपयोग कर सकते हैं? (शरीर के प्रत्येक भाग के लिए विचार मंथन करें।)

- मुंह/आवाज - ध्वनि प्रभाव, कानाफूसी, चिल्लाना, पुकार/उत्तर, दोहराए गए वाक्यांश

- चेहरा - उदास, खुश, नाराज, भावनाएं
- आंखें - बंद, पलक-झपकाना, खोज...
- हाथ/उंगलियां - ताली, स्पर्श, हिलाना, थपकी, गिनती, हिलाना-डुलाना, चलना...
- पैर / पैरों की उंगलियों - कदम, थपथपाना, हिलाना-डुलाना...
- घुटने/पाँव - मोड़ना, खटखटाना, खड़े होना...

(प्रतिभागियों को चार लोगों के समूह में विभाजित करें। आपने जो बाइबल की कहानी पहले सुनाईउस ,का प्रयोग करते हुए, समूहों को कहानी में बच्चों को शामिल करने के विचारों / क्रियाओं के बारे में सोचने के लिए कहें। पांच मिनट के बाद, पूरे समूह के रूप में विचार बाँटें। कहानी में एक बार फिर से, बच्चों को शामिल करने की तकनीक का उपयोग करके और भाग लेने वालों को उनकी सीटों पर बैठे-बैठे कार्य करने को कहें, जबकि आप कहानी बताते हैं।)

**कक्षा में गतिविधियों को शामिल करना:**

यदि आपकी कक्षा में पर्याप्त जगह है, तो आप अपनी कक्षा की जगह का उपयोग कर सकते हैं जब आप कहानी सुनाते हैं और बच्चों को चारों ओर घूमने की अनुमति दें। (एक साथ निम्नलिखित उदाहरणों में से कुछ का प्रदर्शन करें।)

- एक कोने में झुण्ड बनाएं। एक गुफा में शाऊल से छिपकर बैठे दाऊद के बारे में बात करें।
- जक्कई की तरह एक पेड़ पर चढ़ें।
- यरीहो के चारों ओर घूमें।
- लाल सागर से होकर जाएं।

**ये गतिविधियां बच्चों को कैसे बेहतर ढंग से परमेश्वर के वचन" सुनने "में मदद करती हैं?**

याद रखें कि हम चाहते हैं कि बच्चे पूरी तरह से परमेश्वर के वचन को समझें, इसलिए अपनी कहानी कहने में, बच्चों को हमेशा मानने/अमल करने में अगुवाई दें!

## पढना: बच्चों को परमेश्वर का वचन पढना सीखने में मदद करना *(10 मिनट)*

**परमेश्वर के वचन के बारे में पढ़ना और सोचने के बारे में सीखना**

जैसे-जैसे बच्चे परमेश्वर के वचन को स्वयं से पढ़ना सीखते हैं, उन्हें सिर्फ शब्दों को पढ़ने से ज्यादा कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्हें इसके बारे में भी सोचने की जरूरत है। परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने में बच्चों की सहायता करने में यह पहला कदम है।

वे नीचे दिए गए कुछ प्रश्न पूछने के लिए अभ्यास कर सकते हैं, भले ही वे चित्र वाली बाइबल के साथ पढ़ रहे हों, बाइबल की ऑडियो रिकॉर्डिंग सुन रहे हों या बाइबल की कहानी को दूसरों के द्वारा उन्हें पढ़कर सुनाई गई हो।

बच्चों को याद दिलाएं कि परमेश्वर शिक्षक है। उसका पवित्र आत्मा उनसे वादा करता है कि उन्हें समझने में सहायता करेगा, तो हमेशा प्रार्थना और प्रार्थना के साथ परमेश्वर के वचन के बारे में सोचें, परमेश्वर की सहायता के लिए मांगने का समय आरम्भ करें।

**पढना / निरीक्षण करना**
(मैं ग्रहण करता हूँ )

**अनुवाद**
(मैं सोचता हूँ)

**लागू करना**
(मैं कोशिश करता हूँ )

| **यह क्या कहता है?** (परमेश्वर, यीशु, लोगों के बारे में) | **इसका क्या अर्थ है?** (यह महत्वपूर्ण क्यों है?) | **परमेश्वर क्या चाहते हैं कि मैं करूं?** (आज्ञा मानना) |
|---|---|---|

क्या आप ध्यान देते हैं कि ये प्रश्न पाठ 5 (प्रस्तुत करना – चर्चा – लागू करना) से सीखने की प्रक्रिया के समान रूपरेखा का अनुसरण करते हैं? लेकिन इस बार परमेश्वर शिक्षक है। वह जानकारी प्रस्तुत करता है (हम निरीक्षण करते हैं), हमें इसकी प्रक्रिया और चर्चा करने में सहायता करता है (हम अनुवाद /व्याख्या करते हैं), और फिर हम इसे अपने जीवन में लागू करते हैं।

(प्रतिभागियों को अलग-अलग तीन प्रश्नों की एक संक्षिप्त पाठ के साथ प्रक्रिया का अभ्यास करना है: भजन संहिता 23: 1-2। कुछ मिनटों के बाद दो या तीन लोगों को यह बताने को कहें कि परमेश्वर ने उन पर क्या ज़ाहिर किया।)

स्वयं से पढ़ने और अध्ययन के माध्यम से, परमेश्वर के वचन के बारे में सोचने और उसे लागू करने के लिए एक सीखने वाले बच्चे का उदाहरण बांटें।

जब परमेश्वर के वचन को पढ़ना और अध्ययन करना होता है, तो बच्चों को हमेशा मानने/अमल करने में अगुवाई दें!

## याद/कंठस्थ करना: पवित्रशास्त्र को स्मरण रखना *(20 मिनट)*

**पवित्रशास्त्र आयतों को याद करने की प्रक्रिया**

एक आयत को दोहराने में सक्षम होने से अधिक वचन को याद रखना अधिक आसान है। पवित्रशास्त्र को बच्चों के हृदय और जीवन में स्थानांतरित करने की एक प्रक्रिया होती है (इस प्रक्रिया को समझाते समय प्रतिभागियों को अपने नोट्स में रिक्त स्थान भरने को कहें।)

| | |
|---|---|
| 1. प्रस्तुत करना (याद करना) | बच्चे सीखते हैं जो यह कहता है। |
| 2. चर्चा (समझना) | बच्चे सीखते हैं कि इसका अर्थ क्या है? |
| 3. लागू करना (अमल करना) | बच्चे सीखते हैं कि उनके लिए इसका अर्थ क्या है? |

क्या यह एक सामान लगता है? यह वही सीखने की प्रक्रिया है जो हम परमेश्वर के वचन के बारे में पढ़ने और सोचने के लिए करते थे। यह वचनों को याद रखने से भी कुछ अधिक है। ये सब कुछ उस बात को मानने से है जो वचन हमसे कहता है।

**बच्चों के लिए याद करने के आयतों की तैयारी**

**हम परमेश्वर के वचन को अधिक सफलतापूर्वक याद रखने में बच्चों की सहायता कैसे कर सकते हैं?**

(तीन या चार लोगों के समूह में इस सवाल पर चर्चा करने के लिए प्रतिभागियों को आमंत्रित करें। कुछ ही मिनटों के बाद, उत्तरों को एक साथ बाँटें। जवाबों में नीचे दिए गए कुछ सिद्धांतों को शामिल करें: याद किए गए उत्तरों को उजागर करें और प्रत्येक बिंदु को स्पष्ट करने के लिए बाइबल के उदाहरणों के साथ तैयार रहें):

- याद करने की आयत चुनें जो बच्चों के लिए प्रासंगिक और उपयोगी होंगी।
- याद करने की आयत उम्र के अनुसार होनी चाहिए।
  - युवा बच्चों को केवल 5-10 शब्द की आवश्यकता होती है। उन्हें किसी आयत का एक हिस्सा सिखाना ही उपयुक्त है।
  - बड़े बच्चे 15-25 शब्द या उससे अधिक संभाल सकते हैं।
  - लंबे भागों के लिए, जैसे कि भजन 23 के लिए, कई हफ्तों के विभाजन पर कार्य किया जा सकता है।
- बाइबल की आयत का वह पाठ विषय से स्पष्ट रूप से संबंधित होना चाहिए, जो आप उस दिन पढ़ा रहे हैं।

- जटिल शब्दों, वाक्यांशों या विचित्र अवधारणाओं वाली आयतों से बचें।
- एक ऐसे बाइबल आयत को चुनें जिसका बच्चे भविष्य में उपयोग कर सकते हैं। कल्पना कीजिए कि आप उन्हें बाइबल का "पुस्तकालय" बनाने में सहायता कर रहे हैं, जिसकी उन्हें आवश्यकता होगी।

**हम आयत और उसके महत्व को समझने में बच्चों की सहायता कैसे कर सकते हैं?**

यहां पर कुछ सरल तरीके हैं जो शिक्षक बच्चों को आयत का अर्थ और उनके जीवन के लिए उस की प्रासंगिकता को बेहतर ढंग से समझने में सहायता कर सकते हैं।

- शब्दों और अवधारणाओं को परिभाषित करें। यहां तक कि "पाप," जैसे एक छोटे शब्द के लिए स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो सकती है ताकि बच्चे समझ सके।
- शब्दों और वाक्यांशों का वर्णन करने में बच्चों की सहायता करने के लिए कहें।
- बच्चों से पूछें कि उनके लिए, बाइबल की यह आयत महत्वपूर्ण कैसे है।

**हम बच्चों को आयत याद करने में कैसे सहायता कर सकते हैं?**

(एक साधारण याद करने की आयत का उपयोग करके प्रतिभागियों के साथ कुछ या सभी गतिविधियों का प्रदर्शन करें।)

- बोर्ड पर से एक समय में एक या दो शब्दों को मिटायें या निकालें।
- याद करने की आयत के शब्दों को अलग अलग-पन्नों, गुब्बारों, आदि पर लिखें, और बच्चों को उन्हें सही क्रम में करने को कहें।
- एक गेंद या वस्तु को आगे और पीछे उछालें, और प्रत्येक उछाल के साथ याद करने की आयत का एक शब्द कहते रहें।
- आयत को गाओ।
- आयत के कुछ शब्दों के लिए अभिनय या हाथों की भाव का प्रयोग करें।
- शब्दों को चित्रों या प्रतीकों में बदलें।
- अलग-अलग तरीकों से आयत को कहें (ऊंचीं आवाज़ में, धीमी आवाज में, कूदते हुए आदि)।
- कागज पर आयत लिखें और एक पहेली बनाने के लिए टुकड़ों में इस तरह से काटें जो बच्चों द्वारा फिर से जोड़ा जा सके।
- आयत को गलत तरीके से लिखें या पढ़ें। बच्चों को उसमें गलती ढूँढने को कहें।

(तीन या चार लोगों के समूह में, प्रतिभागियों को एक याद करने की आयत की समीक्षा करने के लिए एक या दो अन्य गतिविधियों के साथ आने के लिए कहें। समूह के रूप में विचार बाँटें।)

**पढने में असमर्थ (गैर-पाठक) बच्चों के साथ क्या किया जा सकता है? (एक समूह के रूप में चर्चा करें।)**

अगले सप्ताह में जांच करें ...

- क्या बच्चों को याद है कि आयत क्या *कहती* है?
- क्या बच्चों को याद है कि आयत का *अर्थ* क्या है?
- क्या बच्चे बांट सकते हैं कि *उनके लिए आयत का क्या अर्थ* है?

जब वचन को याद करते हैं, तो बच्चों को हमेशा मानने/अमल करने में अगुवाई दें!

## समेटना *(5 मिनट)*

**परमेश्वर का वचन पानी की तरह होता है।**

(प्रतिभागियों को पानी की एक बोतल या गिलास दिखाएं।) **किन तरीकों से पानी फायदेमंद होता है?** (उत्तर में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं: ताजा, जीवन देने वाला, जीवन के लिए आवश्यक, सफाई, हमें तरोताजा करता है, उपयोगी, आदि)

पानी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन यह बहुत हानिकारक भी हो सकता है और नुकसान का कारण बन सकता है। किन तरीके से पानी हानिकारक या विनाश का कारण हो सकता है? (उत्तर में शामिल हो सकते हैं: मूसलाधार बारिश, तूफान, बाढ़, डूबना, क्षरण, आदि)

परमेश्वर के सभी वचन हमारे बच्चों के लिए फायदेमंद हो सकता है – ताजगी देनेवाला, जीवनदायक, तरोताज़ा करने वाला - या फिर उनके लिए यह हानिकारक हो सकता है। हम चाहते हैं कि बच्चों के लिए परमेश्वर का वचन लाभ से भरा हो। हम परमेश्वर के वचन के साथ उनके अनुभव को चाहते हैं ताकि शिष्यों के रूप में मज़बूत बनने में उनकी मदद कर सके। हमें यह प्रार्थना करनी चाहिए कि जब हम बच्चों के साथ उन्हें परमेश्वर के वचन को समझने में मदद करने में काम करते हैं, तो हमें इसे इस तरह से इस्तेमाल नहीं करना चाहिए कि यह बच्चों की आशा को नष्ट करे, उन्हें विधिवाद में डाल दे, या उनके लिए परमेश्वर के हृदय को गलत तरीके से प्रस्तुत करे।

(प्रार्थना करें। परमेश्वर के वचन के लिए उसकी स्तुति करो। परमेश्वर से सहायता मांगें, जबकि हम बच्चों को उसके वचन को, उनके जीवन में इस तरह से अनुभव करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं जिससे उन्हें यीशु के अनुयायी के रूप में मजबूत बनाने में सहायता मिलती है।)